کو انسانیت کی ہمدردی کیلئے پھر ہموار کر دیا ہے۔ سر۔

بہت بہت شکریہ۔

"ختم شد"

Re: Withdrawal of Personal Security

श्री रामगोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): श्रीमन् मैं आपके मध्यम से इस सदन से और सरकार से अपनी और अपने परिवारीजनों और अपने साथियों की सुरक्षा को लेकर जो चिंता है इसको अवगत कराना चाहता हूं अवश्यक कार्रवाई के लिए। अभी पांच तारीख को काशी विद्यापीठ में, इस बात की इसलिए चर्चा कर रहा है जो मैं आपको बता रहा हूं। पांच अप्रैल को काशी विद्यापीठ का छात्र संघ का चुनाव हुआ था और उसमें रामप्रकाश पांडे अध्यक्ष चुने गए जो हमारी समाजवादी पार्टी की यूथ विंग का कार्यकर्ता था। छः तारीख को काशी में ही उसकी हत्या कर दी गई और उसके साथ समाजवादी युवजन सथा उत्तर प्रदेश के वाईस प्रेसीडेंट और काशी विद्यापीठ के एक्स प्रेजीडेंट सुनील राय और कई पार्टी के दो और पदाधिकारी थे, वह मार दिए गए। इसके बाद समाजवादी पार्टी के एम. पी. महामहिम राष्ट्रपति से मिले और उनसे अनुरोध किया के हमारे कार्यकर्ताओं की रक्षा की जाए। उस मेमोरंडम में जिन एम. एल. एज. की आशंका वयक्त की गई थी कि उनकी हत्या की जा सकती है, अगले दिन उत्तर प्रदेश के म्ख्य मंत्री ने प्रेस को स्टेटमेंट देकर कुछ एम. एल. एज. के बारे में यह कहा कि इनका अपराधिक इतिहास है और यह कह कर उन्होंने अपनी ड्यूटी पूरी कर ली। चूंकि मैंने यह पत्र लिखा था अलग से गवर्नर को , तो उसका यह रिएक्शन हुआ कि मेरी जो सुरक्षा की व्यवस्था थी इसको विद्ड्रो कर लिया गया। मेरा एक भतीजा रनवीर सिंह ब्लौक प्रमुख है, उसकी सुरक्षा भी विद्ड्रो कर ली गई। मेरा भाई सत्यपाल सिंह जसवंत लगर से एम. एल. ए. है वह इटावा जिला पंचायत का अध्यक्ष भी चुना गया और जिला कोआपरेटिव बैंक का इलेक्टेड प्रेजीडेंट भी है। और आज भी उत्तर प्रदेश भूमि विकास बैंक जो एपैक्स बॉडी है, उसका चेयरमैन है। उसके बारे में यह कहा कि इसकी क्रिमिनल हिस्टरी है। मुझे चूंकि यह बार बार कहा जाता है इसलिए मैंने इटावा के एस. एस. पी. को पत्र लिखकर जानना चाहा कि हमारे भाई के बारे में बार बार ऐसी बात होती है, मैं जानना चाहता हूं कि इसके खिलाफ कितने मुकद्दमें कायम हुए, किसने मुकद्दमें कायम कराए और क्या कभी इसमें गिरफ्तारी हुई, चार्ज शीट हुई, क्या स्थिति है। एस. एस. पी. ने जो जवाब लिखा है उसका ऑपरेटिंग पोर्शन मैं बता रहा हूं। उसमें लिखा है "क्योंकि सभी अभियोगों में विवेचना के पश्चात अंतिम रिपोर्ट प्रेषित की गयी थी और न्याययलय से अंतिम रिपोर्ट स्वीक्रत होने के पश्चात दाखिल दफ्तर की जा चुकी है। यह सभी अभियोग वर्ष 89-91 के मध्य पंजीकृत कराए गए हैं। इसके पूर्व तथा बाद में कोई अभियोग पंजीकृत नहीं हुआ है। इससे स्पष्ट है कि उपरोक्त सभी अभियोग राजनीतिक प्रतिदंदिता के कारण पंजीकृत कराये गये हैं क्योंकि सभी अभियोगी में न्यायालय द्वारा अंतिम रिपोर्ट स्वीकार की गयी है। अतः उक्त अभियोगों को किसी व्यक्ति के आपराधिक इतिहास में शामिल नहीं किया जा सकता।" यह इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने हमारे पत्र के जवाब में हमें लिखा है। श्रीमन् इसी तरह से हमारे एक एम. एल. ए. ओम प्रकाश सिंह है। वह बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन के प्रेजीडेंट 1984-85 में थे। तत्कालीन चीफ मिनिस्टर की मीटिंग उन्होंने वहां नहीं करने दी थी एसलिए 1985-86 में उनके खिलाफ, लंका एक थाना है, जिसके अंतर्गत बी. एच. यू. का कैम्पस आता है, उसमें 27 मुकद्दमें स्टूडेंट ऐजीटेशन के दौरान कायम हुए। किसी में कभी कोई चार्ज शीट नहीं थी। वह गाजीपुर के रहने वाले हैं, वहां से कई बार एम. एल. ए. हुए। उस जिले में जहां रहते है, जहां बस रहे हैं, कभी कोई मुकद्दमा कायम नहीं हुआ लेकिन चीफ मिनिस्टर ने कहा कि यह गुंडे हैं और उनके खिलाफ मुकद्दमें कायम हैं।

उप सभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): आप अपनी बात कहिए।

श्री रामगोपाल यादव: महोदय, यह मैं इसलिए कह रहा हूं कि 6 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने एक प्रैस स्टेटमेंट करके यह कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग गुंडे हैं, उसको हम ठिकाने लगा देंगे। श्रीमन् आप तो हिन्दी के विद्धान है, आप जानते है कि ठिकाने लगाने का अर्थ क्या होता है। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं कि जब कोई चीफ मिनिस्टर यह कहे कि हम उनको ठिकाने लगा देंगे तो हमसे जो रंजिश रखता होगा, उसको भी यह बल मिल जाता है कि जब चीफ मिनिस्टर ही इनके खिलाफ है तो ऐसे में यदि इनके खिलाफ हमला कर दिया जाए या इन्हें मार दिया जाए तो हमारे खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होगी। इसलिए सतपाल सिंह जो हमारा छोटा भाई है, एम. एल. ए.

है, दो तारीख को दिन में उसके मकान के पीछे पिछवाड़े वाले हिस्से में एक बम विस्फोट हुआ। चार बम पुलिस को मिले बाहर गार्ड लगे हुए थे, उसने जाकर सूचना दी, उसने एफ. आई. आर. लॉज कराई। इसके बाद जब पलिस आयी तो चार बम और बरामद हुए। अभी कुछ दिन पहले आपने समाचार पत्रों में पढ़ा होगा कि सहारनपुर की पुलिस ने एक कश्मीरी उग्रवादी को जब पकड़ा तो उसने कनफैस किया कि वह मुलायम सिंह के पुत्र और उनके परिवार का अपहरण कुछ उग्रवादियों को छुड़ाने के लिए करना चाहता था। इट इज़ ऑन रिकार्ड। आई. बी. के इंस्ट्रक्शंस पर जब उत्तर प्रदेश गवर्नमेंट ने हमारे परिवार की सुरक्षा के लिए और व्यवस्था की तो यह गवर्नमेंट जब आई तो उसके बाद सारी सुरक्षा विदड्रा कर ली गयी और अब स्थिति यह है कि हालांकि उस वक्त हमारे भाई, पत्नी और बच्चे सब लखनऊ में थे लेकिन उन्हें टैरराइज़ करने की कोशिश की जाती है कि जब मुलायम सिंह के परिवार के ऊपर बम फैंका जा सकता है तो समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता किस सीमा तक सुरक्षित रह सकतें हैं। 24 मार्च से, मेरे पास लिस्ट है, 24 मार्च से 24 अप्रैल तक इटावा जिले में अकेले हमारे 16 कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुई हैं, 17 डकैतियां पड़ी हैं। एक मामले में भी एक को छोड़कर क्योंकि एक आदमी मौके पर गिरफ्तार हुआ, दिन में गोली मारते हुए। इसके अलावा किसी मामले में एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई। अभी मुझे फैक्स मिला है कि मैं पार्टी दफ्तर में बैठा था तो मुझे फिरोजाबाद से फैक्स मिला है जिसमें उन्होंने कहा है कि जब से नयी सरकार आयी है, अकेले फिरोजाबाद जिले में 21 लोगों की हत्याएं हुई हैं, 60 लोगों पर समाजवादी पार्टी के लोगों पर गुंडा ऐक्ट तामील हुआ है और 90 लोगों के खिलाफ हरिजन ऐक्ट के मुकद्दमें कायम हुए हैं।

यह स्थिति पूरे उत्तर प्रदेश की है। चेयरमैन सर.....

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी (बिहार): यह एक जिले की स्थिति है।

مولانا عبید اللہ خان اعظمی : یہ ایک ضلع کی استتھی ہے۔

†[] Transliteration in Arabic Script.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI): Please let him finish.

श्री राम गोपाल यादव: यह एक जिले की स्थिति है। एक महीने में उत्तर प्रदेश में जितनी हत्याएं हुई हैं ये 1996 में पूरे वर्ष में जितनी हत्याएं हुई थीं उनसे ज्यादा हुई है। मैं यह इसलिए कह रहा हूं कि अगर आप गुरू द्रोण और भीष्म की तरह आंख बन्द करके बैठे रहेंगे, आप उसमें शामिल है, तो इतिहास आपको यह है कि इस सरकार को निर्देश दें कि कम से कम मेम्बर आफ पार्लियामेंट मैंने उनको चिट्ठी लिखी तो मेरी सारी सेक्योरिटी विद्ड्रा कर ली गई। मेरे खिलाफ कोई मुकदमा कायम नहीं है, मेरे खिलाफ एक भी मुकदमा कायम नहीं है इसलिए वह बयान नहीं दे सकीं लेकिन हमारी सेक्योरिटी विद्ड्रा कर ली और यह कहा कि पिछली जो सेक्योरिटी बनी रही उसका इतना पैसा होता है वह और भेज दीजिए, तो यह स्थिति है हमारे कार्यकर्ता मारे जा रहे हैं, मेरे परिवारजन असुरक्षित है और इंटेलीजेंस ब्यूरो, आई बी की रिपोर्ट है कि हमारे परिवार को खतरा है, अन्तराष्ट्रीय से खतरा है, तब भी हमारे परिवार की सेक्योरिटी विद्ड्रा कर ली गई है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI) : The Government will take note of the apprehensions that have been expressed as regards security-has personal security as well as the security of his family, I think Mr. Naidu should convey it to the Government.

THE MINISTER OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI YERRAN NAIDU K.) Yes, Sir.